दैनिक नवज्योति Pali - 05 Jan 2024 - Page 2

राधिका ने रचा कीर्तिमान:

मालदीव में लहराया भारत का परचम

नवज्योति/पाली।

छह राजस्थान एनसीसी बटालियन जोधपुर की राजकीय बांगड़ महाविद्यालय, पाली की एनसीसी सीनियर अंडर ऑफिसर राधिका गग्गड़ ने एक बार फिर नया कीर्तिमान कायम किया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रीति माथुर ने बताया कि एनसीसी अधिकारी कप्तान डॉ. राजेंद्र सिंह राजपुरोहित थल सेना स्कंध की कमान में प्रशिक्षित राधिका गग्गड़ ने 26 दिसंबर से 4 जनवरी तक भारत सरकार के एनसीसी प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में मालदीव में आयोजित युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में भाग लेकर अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत के एनसीसी निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया। कैप्टेन राजेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बांगड़ कॉलेज के एनसीसी के इतिहास में इस प्रकार की यह पहली उपलब्धि है। राधिका के इस में चयन की तैयारी और मार्गदर्शन में 6 राजस्थान एनसीसी बटालियन, जोधपुर के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल वीके चौहान, लेफ्टिनेंट कर्नल अमरजीत कौर और उनके प्रशिक्षण दल की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

दैनिक भास्कर
पाली भास्कर 05-01-2024

राधिका गग्गड़ ने मालदीव में बुलंद किया भारत का परचम

पाली। 6 राजस्थान एनसीसी बटालियन जोधपुर की राजकीय बांगड़ महाविद्यालय की एनसीसी सीनियर अंडर ऑफिसर राधिका गग्गड़ ने कीर्तिमान कायम किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रीति माथुर ने बताया कि एनसीसी अधिकारी कप्तान डॉ. राजेंद्रसिंह राजपुरोहित, थल सेना स्कंध की कमान में प्रशिक्षित राधिका गग्गड़ ने 26 दिसंबर 2023 से 4 जनवरी 2024 तक भारत सरकार के एनसीसी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में मालदीव में आयोजित युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में भाग लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के एनसीसी निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया। कैप्टेन राजेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया की राजकीय बांगड़ महाविद्यालय पाली के एनसीसी के इतिहास में इस प्रकार की यह पहली उपलब्धि है और एक कैडेट के लिए इस स्तर पहुंचना दुष्कर कार्य होता है। इससे पहले राधिका ने अखिल भारतीय गणतंत्र दिवस शिविर नई दिल्ली में जनवरी 2023 में भाग लिया। इस के उपरांत उस के उत्तम प्रदर्शन के आधार पर मालदीव युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में चयन हुआ। राधिका के इस में चयन की तैयारी और मार्गदर्शन में 6 राजस्थान एनसीसी बटालियन जोधपुर के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल वीके चौहान, लेफ्टिनेंट कर्नल अमरजीत कौर और उनके प्रशिक्षण दल की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।